AND CHEMICALS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1629 given in the Rajya Sabha on the 26th March, 1990 and state:

(a) when did Merind implement the prices of Dexamethasone based formulations and what are the details of the packs for which the prices are yet to be implemented;

(b) what are reasons for non-implementation of prices; and

(c) what action has been taken or proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

कैंसर के कारण

336. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "पान पराग" "पान मसाला", "बाबा" तथा अन्य तम्बाकू, "लिम्का", "गोल्ड स्पाट", "थम्स अप" तथा अन्य शीतल पेय तथा शराब इत्यादि में से किन-किन उत्पादों के सेवन से कैंसर होने का खतरा हो सकता ;

(ख) सरकार द्वारा इन वस्तुओं के सेवन पर प्रतिबन्धन लगाए जाने के और उत्पादनकर्ताओं द्वारा ऐसे उत्पादों पर यह लिखे जाने कि इन उत्पादों के सेवन से कैंसर होने का खतरा हो सकता है, को आवश्यक न बताए जाने के क्या क्या कारण हैं ; और

(ग) देश मे कैंसर से होने वाली वार्षिक मृत्यु दर क्या है और क्या इस बीमारी का उपचार किया जा सकता है; यदि हां, तो किस प्रकार ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : (क) और (ख) ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि कार्बोनेटिड जल के मानकों के अनुरूप शीतल पेयों के विभिन्न ब्राण्डों के सेवन से कैंसर होता है ।

खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के उपबन्धों के अधीन पान मसालों और चबाए जाने वाले तम्बाकू के लेबलों पर पहले ही यह घोषणा करना अपेक्षित है कि इन उत्पादों को चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है ।

(ग) एक विवरण उपाबन्ध के रूप मे संलग्न है । **देखिये** परिशिष्ट 154 अनुपत्र संख्या 22)

एड्स का उपचार

337. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान मे देश मे एड्स के रोगियों की राज्यवार संख्या कितनी है और एड्स को और अधिक फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार देश में आने वाले सभी विदेशियों की चिकित्सीय जांच अनिवार्य बनाने का विचार रखती है, यदि नहीं तो उसके क्या कारण है ;

(ग) क्या इस बीमारी का देश अथवा विदेश मे कोई इलाज खोज लिया गया है, यदि है, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इस बीमारी के इलाज का पता लगाने के लिए देश अथवा विदेश में किए जा रहे अनुसंधान कार्य का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : (क) पूर्ण विकसित एड्स रोगियों का राज्यवार ब्यौरा इस प्रकार है —

1.	आंध्र प्रदेश	1
2.	दिल्ली	3
3.	गुजरात	1
4.	जम्मू और काश्मीर	1
5.	केरल	1
6.	महाराष्ट्र	7
7	चंडीगढ़	7
8.	पांडिचेरी	2
9.	तमिलनाडु	7
10.	पश्चिम बंगाल	1
11.	उत्तर प्रदेश	1
12.	विदेशी	12
	कुल	44

31 मार्च, 1990 को सीरम पांजीटिव (एंटीबाडी परीक्षण के आधार पर एच आई वी संक्रमित) रोगियों की कुल संख्या 2167 है और इनमें से 44 रोगियों में एड्स पूरी तरह विकसित हो चुका है ।

सरकार ने एच आई वी संक्रमित व्यक्तियों तथा एड्स के पूरे पूरे लक्षणों वाले रोगियों के नैदानिक उपचार के लिए दिशा निर्देश तैयार किए हैं । एच आई वी संक्रमित रोगियों और एड्स के रोगियों के उपचार के लिए दस संस्थानों का चयन करके उन्हें सुदृढ़ किया गया है । इन संस्थानों के नाम इस प्रकार हैं —

1. किंग जार्ज मेडिकल कालेज, लखनऊ
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
3. सवाई मानसिंह मेडिकल कालेज, जयपुर
4. शेरे कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर
5. त्रिवेन्द्रम मेडिकल कालेज, त्रिवेन्द्रम
6. उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद
7. कलकत्ता मेडिकल कलेज, कलकत्ता
8. एस० सी० वी० मेडिकल कालेज, कटक
9. मद्रास मेडिकल कालेज, मद्रास
10. जे० जे० मेडिकल कालेज, बम्बई

(ख) विदेशी छात्रों के लिए स्वास्थ्य जांच, जिसमें एच आई वी परीक्षण भी शामिल है, आवश्यक है । ऐसे विदेशियों को एच आई वी परीक्षण कराना आवश्यक है जिनका भारत में एक साल से अधिक रुकने का इरादा होता है । बहरहाल, विभिन्न मिशनों में कार्य कर रहे विदेशियों को भले ही वे राजनयिक स्तर के हों या न हों तथा पत्र सूचना कार्यालय द्वारा मान्यताप्राप्त विदेशी पत्रकारों को तथा 18 वर्ष से कम आयु के और 70 वर्ष से अधिक आयु के विदेशियों को एच आई वी परीक्षण से छूट दी गयी है ।

(ग) और (घ) विश्वव्यापी अनुसंधान प्रयासों के बावजूद अभी तक इसके उपचार की कोई औषध विकसित नहीं हुई है । एच आई वी/एड्स के लक्षण प्रकार होने के बाद जीवित रहने की अवधि बढ़ाने के लिए केवल लाक्षणिक उपचार दिया जाता है । भारत में इस समय एड्स के बहुत कम रोगियों की सूचना मिली है । सरकार ने ऐसे क्षेत्रीय केन्द्रों को निर्धारित किया है जहां एड्स के रोगी समुचित उपचार प्राप्त कर सकते हैं । भारत में एच आई वी संक्रमण के स्वाभाविक लक्षणों को स्पष्ट करने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद में अनुसंधान कार्य चल रहे हैं ।